**P. G. Semester 4th** **Deepika Taterway**
**G. E. Human Rights** **Home Science**
**Unit 2nd** **Dept.**

**Evolution of the concept of Human Rights**

**(A) Magna Carta, United States of Declaration of Independence**

**मैग्नाकार्टा (Magna Carta – A great charter of freedom) मैग्ना कार्टा आजादी का महान चार्टर् इंग्लैंड का एक कानूनी परिपत्र है जो सबसे पहले सन 1215 ईस्वी में जारी हुआ था यह लैटिन भाषा में लिखा गया था। मैग्नाकार्टा अथवा महान परिपत्र राजा जॉन के द्वारा 15 जून 1215 इसवी को टेम्स नदी के किनारे स्थित रनी मेड स्थान पर सामंतों को प्रदान किया गया था। मुख्य रूप से यह परिपत्र जो राजा जॉन द्वारा निर्मित था बैनरों के विद्रोह को शांत करने के लिए निर्मित किया गया था फिर भी राजा जॉन ने इस परिपत्र में बैनरों से ज्यादा सामंतों की मांग को ज्यादा महत्व दिया था इस बात से असंतुष्ट हो होकर बैनरों ने राजा जॉन के खिलाफ युद्ध छेड़ दिया अंततः राजा**

जॉन को बैनरों की मांग को ध्यान में रखकर चार्टर में महत्वपूर्ण परिवर्तन करने पड़े, चार्टर की मुख्य धाराएं निम्नलिखित है :-

- चर्च व्यवस्था तथा स्वतंत्र चुनाव
- सामंतों के संबंध
- साधारण वैधानिक व्यवस्था
- आसामी के अधिकार
- नगर वाणिज्य तथा व्यापारियों के अधिकार
- स्वायत्त शासन के दोषों के निराकरण
- न्याय तथा विधि व्यवस्था मैं सुधार
- कानून व्यवस्था
- चार्टर का प्रतिपादन तथा व्यवहारी बनाना आदि।

इस व्यापक परिपत्र की चार धाराएं सदैव के लिए वैधानिक महत्त्व की सिद्ध हुई। 12वीं धारा मैं घोषित किया गया की किसी भी प्रकार की सेवा अथवा सहायता के बिना राज्य की साधारण परिषद की स्वीकृति नहीं ली जाएगी। 14 वी धारा ने साधारण परिषद की  रचना बताई। 39 वी धारा ने दैहिक स्वतंत्रता की चर्चा करते हुए कहा कि किसी भी स्वतंत्र नागरिक को राज्य के नियमों अथवा वैधानिक निर्णय के प्रतिकूल किसी भी दिशा मैं बंदी, संपत्ति रहित गैरकानूनी या

निष्कासित नहीं किया जाएगा। 14 वी धारा ने यह घोषणा की प्रत्येक व्यक्ति के न्यायिक अधिकारों पर किसी भी प्रकार का आघात नहीं होगा, कालांतर में जन स्वतंत्रता, जूरी के द्वारा न्याय प्रशासन , कानून की दृष्टि मैं सबके समान अधिकार तथा कानून की राज्य में सर्वश्रेष्ठता इत्यादि इसी चार्टर की प्रशाखाएं सिद्ध हुई चार्टर में किसी नवीनता का समावेश नहीं किया गया । इसने केवल जॉन द्वारा अतिक्रमित रीतियों एवं प्रथाओं की पुनरावृति की।

अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम की घोषणा (American Declaration of Independence)

यह एक राजनीतिक दस्तावेज है जिसके आधार पर इंग्लैंड के 13 उत्तर अमेरिकी उपनिवेशों 4 जुलाई 1776 ईस्वी को स्वयं को इंग्लैंड से स्वतंत्र किया था। अमेरिका के निवासियों ने ब्रिटिश शासन सत्ता के अधिकारों और अपनी कठिनाइयों से मुक्ति पाने के लिए सन 1775 ईस्वी में संघर्ष छेड़ दिया। 7 जून 1776 ईस्वी को वर्जीनिया के रिचर्ड हेनरी ली ने प्रायद्वीपीय कांग्रेसमें यह प्रस्ताव रखा कि उपनिवेश को स्वतंत्र होने का अधिकार है इस प्रस्ताव पर वाद विवाद के

उपरांत स्वतंत्रता की घोषणा पत्र तैयार करने के लिए एक समिति बनाई गई एवं इसका कार्यभार थॉमस जेफरसन को सौंपा गया तत्पश्चात ऐडम्स एवं फ्रैंकलीन द्वारा इस घोषणा में कुछ संशोधन के उपरांत इसे 28 जून को प्रायद्वीपीय ए कांग्रेस के समक्ष रखा गया एवं 2 जुलाई को यह बिना किसी भी विवाद के पास हो गया।। मुख्य रूप से जेफरसन ने मानव के प्राकृतिक अधिकारों के दार्शनिक सिद्धांतों को ध्यान में रखकर यह घोषणा परिपत्र तैयार किया था जिसके शब्द मुख्य रूप से इस प्रकार हैं :- जीवन के अधिकार, स्वतंत्रता के अधिकार, समानता के अधिकार , जनता का अधिकार अयोग्य शासक बदलने का अधिकार, नई सरकार स्थापित करने का अधिकार।।

जेफरसन ने ब्रिटिश दार्शनिक जॉन लॉक के स्वतंत्रता एवं संपत्ति के अधिकारों को भी प्रधानता दी एवं लोगों को संपत्ति को एक सुख ना मानकर संपत्ति को सुख का साधन मात्र बताया।

**Bibliography :-**


- ब्रिक्लेयर 2010 मैग्नाकार्टा पांडुलिपि या और मिथक लंदन द ब्रिटिश लाइब्रेरी आईएसबीएन 978- 0 – 7123-58330
- बर नेट एडवर्ल्ड ;कोडी द कॉन्टिनेंटल कांग्रेस; न्यूयॉर्क नॉर्टन;1976